गोवा, बंगाल, चंडीगढ़ और उत्तराखंड की शानदार जीत

रांची में दूसरे दिन कई रोमांचक मुकाबले

गुजरात जीता, उत्तराखंड-गोवा का दमदार प्रदर्शन

रांची, 02 अप्रैल. रांची के मरांग गोमके जयपाल सिंह एस्ट्रोटर्फ हॉकी स्टेडियम में खेली जा रही 16वीं हॉकी इंडिया सब जूनियर महिला राष्ट्रीय चैंपियनशिप 2026 के दूसरे दिन गुरुवार को कई रोमांचक मुकाबले देखने को मिले, जिसमें गोवा, बंगाल, चंडीगढ़ और उत्तराखंड ने अपने-अपने मैच जीतकर शानदार शुरुआत की.

प्रतियोगिता के दूसरे दिन खिलाड़ियों ने बेहतरीन खेल भावना, आक्रामक रणनीति और शानदार गोल स्कोरिंग का प्रदर्शन किया. टूर्नामेंट 1 अप्रैल से 12 अप्रैल तक रांची में खेला जा रहा है. दिन की शुरुआत डिवीजन 'सी' के पूल ए के मुकाबले से हुई, जहां गोवा ने तेलंगाना को 6-3 से हराकर शानदार जीत दर्ज की. मैच की शुरुआत से ही गोवा की टीम ने आक्रामक रुख अपनाया और शुरुआती मिनटों से ही दबाव बनाना शुरू कर दिया. टीम के लिए सीमा टिर्की ने तीसरे मिनट में पहला गोल कर अपनी टीम को शुरुआती बढ़त दिलाई. इसके बाद विद्या कुमार ने 16वें मिनट में गोल कर स्कोर 2-0 कर दिया. दिन का सबसे एकतरफा और रोमांचक मुकाबला डिवीजन 'बी', पूल बी में देखने को मिला.

> तेलंगाना ने भी वापसी की कोशिश की और नव्याश्री अकुला ने 15वें मिनट में तथा आनंदी महानंद ने 30वें और 36वें मिनट में दो गोल दागकर मुकाबले को बराबरी की ओर ले जाने का प्रयास किया. लेकिन गोवा की कप्तान डेलिना मेंडेस ने 40वें और 41वें मिनट में लगातार दो गोल कर मैच का रुख पूरी तरह अपनी टीम की ओर मोड़ दिया. इसके बाद बर्टिला केरकेट्टा ने 48वें और 52वें मिनट में दो गोल कर गोवा की जीत पक्की कर दी. इस शानदार जीत के साथ गोवा ने टूर्नामेंट में अपने इरादे साफ कर दिए. दूसरा मुकाबला डिवीजन 'बी', पूल ए में खेला गया, जहां बंगाल ने दादर और नगर हवेली एवं दमन और दीव हॉकी को 1-0 से हराया.

एशियाई मुक्केबाजी चैंपियनशिप के क्वार्टरफाइनल में आदित्य

उलानबटार (मंगोलिया) 02 अप्रैल भारतीय बॉक्सर आदित्य प्रताप यादव ने गुरुवार को शानदार प्रदर्शन करते हुए एशियन बॉक्सिंग चैंपियनशिप 2026 में पुरुषों के 65किग्रा भार वर्ग के क्वार्टरफाइनल में जगह बना ली है.

आज यहां खेले गये मुकाबले में आदित्य ने सऊदी अरब के मूसा अलहवसाव को 5-0 से हराया. अब सेमीफाइनल में जगह बनाने के लिए उनका मुकाबला उज्बेकिस्तान के अब्दुल्लोह मदामिनोव से होगा. अब तक, विश्वनाथ सुरेश (पुरुष 50किग्रा), सचिन (पुरुष 60किग्रा), प्रिया (महिला 60किग्रा), प्रीति पंवार (महिला 54किग्रा) और दीपक (पुरुष 70किग्रा) ने एशियन बॉक्सिंग चैंपियनशिप 2026 में अपने शुरुआती दौर के मुकाबले जीत लिए हैं. जादुमणि सिंह (पुरुष 55किग्रा) टूर्नामेंट में अपना मैच पहले ही हार गए थे.

एक नजर में

ओडिशा ने जीता हॉकी का स्वर्ण पदक

रायपुर. ओडिशा ने खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स 2026 में पुरुष और महिला दोनों वर्गों में हॉकी का स्वर्ण पदक जीतकर अपने दबदबे को साबित किया. रायपुर के वल्लभभाई पटेल अंतरराष्ट्रीय हॉकी स्टेडियम में खेले गए फाइनल में पुरुष टीम ने झारखंड को 4-1 से हराया, जबकि महिला टीम ने रोमांचक मुकाबले में मिजोरम को 1-0 से मात दी. पुरुष वर्ग में झारखंड को रजत और छत्तीसगढ़ को कांस्य मिला, जबकि महिला वर्ग में झारखंड ने कांस्य पदक हासिल कर पोडियम पूरा किया. आज यहां खेले गये मुकाबलों में ओडिशा की पुरुष टीम ने फाइनल में झारखंड को 4-1 से हराया, जबकि महिला टीम ने कड़े मुकाबले में मिजोरम को 1-0 से पराजित किया. झारखंड और छत्तीसगढ़ की टीमें भी पोडियम तक पहुंचीं, जो इन क्षेत्रों से उभरती प्रतिभा की गहराई को दर्शाता है. लेकिन पदकों से आगे बढ़कर असली कहानी उन गांवों, जंगलों और समुदायों में छिपी है, जहां हॉकी पहचान और अवसर दोनों बन चुकी है.

दबाव संभालना सीखना पड़ता है : किरण

रायपुर. जब खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स के सेमीफाइनल में अरुणाचल प्रदेश के खिलाफ पेनल्टी शूटआउट के दौरान किरण पिस्दा ने गोलकीपिंग के दस्ताने पहने, तब वह अपने अब तक के अनुभवों पर भरोसा कर रही थीं. उन अनुभवों पर, जिन्होंने चुनौतियों और निराशाओं के बीच उन्हें और अधिक मजबूत बनाया. दबाव को संभालना किरण की पहचान बन चुका है. चाहे टीम में जगह के लिए प्रतिस्पर्धा हो या अहम मैचों में प्रदर्शन, उन्होंने खुद को संयमित रखना सीख लिया है. वह कहती हैं, ऊंचे स्तर पर खेलते समय दबाव हमेशा रहता है. आपको उसे संभालना सीखना पड़ता है. 24 साल की उम्र में किरण अपने खेल कौशल के शिखर पर नजर आती हैं. वह यूरोप में लीग फुटबॉल खेल चुकी हैं और अब बड़े अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंटों के लिए भारतीय टीम में जगह बनाने की दहलीज पर हैं. हालांकि, उनका यह सफर बिल्कुल आसान नहीं रहा, भले ही उन्हें स्कूल और परिवार से शुरुआती समर्थन मिला. उनके भाई गिरीश पिस्दा, जो खुद राष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ी हैं, उनके लिए प्रेरणा बने. किरण ने साई मीडिया से कहा, मुझे स्कूल में काफी सपोर्ट मिला. वहीं से मुझे राज्य और राष्ट्रीय स्तर पर खेलने के मौके मिले और हर चयन के साथ मेरा आत्मविश्वास बढ़ता गया.

रासी ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से लिया संन्यास

केप टाउन. दक्षिण अफ्रीका के बल्लेबाज रासी वैन डेर डुसेन ने सभी फॉर्मेट में खेलने के बाद अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास ले लिया है. इस दाएं हाथ के बल्लेबाज ने दो अप्रैल को अपने इस फैसले की पुष्टि की. उन्होंने अपने सोशल मीडिया पर एक दिल को छू लेने वाला संदेश साझा करते हुए अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में अपनी यात्रा को याद किया. वैन डेर डुसेन ने नौ अक्टूबर, 2018 को जिम्बाब्वे के खिलाफ एक टी-20 मैच में अपना डेब्यू किया था और इसके बाद उन्होंने दक्षिण अफ्रीका के लिए तीनों फॉर्मेट में खेला. उन्होंने अपने करियर में 57 टी-20, 71 एकदिवसीय और 18 टेस्ट मैच खेले. उन्होंने आखिरी बार अंतरराष्ट्रीय मैच 16 अगस्त, 2025 को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टी-20 खेला था. उनके बेहतरीन प्रदर्शनों में से एक आईसीसी पुरुष क्रिकेट विश्व कप 2023 में देखने को मिला, जहां उन्होंने न्यूजीलैंड के खिलाफ एक शानदार शतक (133 रन) बनाया था.

देबी ने खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स में जीता रजत

अंबिकापुर. जब हालात मुश्किल होते हैं, तो मजबूत लोग आगे बढ़ते हैं- यह एक मशहूर कहावत है जो खेलों में बेहतरीन प्रदर्शन करने की ललक को बयां करती है. असम की महिला पहलवान देबी डायमारी की कहानी बाधाओं को पार करने की इच्छाशक्ति और दृढ़ संकल्प का प्रतीक है. उनकी मेहनत रंग लाई ने खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स में रजत पदक जीता. असम के गोलाघाट जिले के सिसुपानी स्थित दिनेशपुर गांव की रहने वाली 28 वर्षीय देबी ने सात साल की उम्र में ही अपने माता-पिता को खो दिया था. इसके बाद उन्हें अपने चाचा-चाची के साथ रहना पड़ा और आर्थिक तंगी के चलते अपनी ट्रेनिंग जारी रखने के लिए उन्हें छोटे-मोटे काम भी करने पड़े. और आखिरकार देबी को उन सभी प्रयासों का फल तब मिला, जब उन्होंने यहां खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स में महिलाओं की 62 किलोग्राम वर्ग में रजत पदक जीता. बोडो ट्राइब से आने वाली देबी कहती हैं, इस पदक के पीछे मेरी कड़ी मेहनत है. मैंने चार साल पहले ही 2022 में गोलाघाट जिले के बोकाखात में काजीरंगा के बगल में खेलो इंडिया सेंटर में कुश्ती शुरू की थी. इसमें प्रैक्टिस करने के लिए मुझे सेंटर के आसपास रूम लेकर रहना पड़ा. रूम का 1000 रुपया किराया देने के लिए मेरे पास पैसे नहीं थे, इसलिए मुझे एक साल तक पार्ट टाइम जॉब भी करना पड़ा. उन्होंने कहा, पहले तो मुझे 2022 में 2500 रुपये मासिक वेतन पर ईजी बाजार (बोकाखात) स्टोर में काम करना पड़ा और फिर 2023 में काजीरंगा में स्थित बोन विला रिसॉर्ट में करीब 7000 रुपये के मासिक वेतन पर जॉब करना पड़ा.

हैदराबाद ने 8 विकेट पर बनाए 226 रन

ट्रैविस हेड और अभिषेक शर्मा ने पावरप्ले में ही 82 रन जोड़े

कोलकाता, 02 अप्रैल. आईपीएल 2026 के इस रोमांचक मुकाबले में सनराइजर्स हैदराबाद ने पहली पारी में बल्लेबाज़ी का ऐसा तूफान खड़ा किया, जिसने कोलकाता नाइट राइडर्स के गेंदबाज़ों की पूरी रणनीति को ध्वस्त कर दिया. निर्धारित 20 ओवरों में हैदराबाद ने 8 विकेट खोकर 226 रन बनाए और मैच पर अपनी मजबूत पकड़ बना ली.

पारी की शुरुआत से ही हैदराबाद के इरादे साफ थे—तेज़ रन बनाना और विपक्ष को दबाव में डालना. ट्रैविस हेड और अभिषेक शर्मा की ओपनिंग जोड़ी ने पहले ही ओवर से आक्रामक अंदाज़ अपनाया. दोनों बल्लेबाज़ों ने कोलकाता के गेंदबाज़ों को कोई मौका नहीं दिया और मैदान के चारों ओर शॉट्स लगाए. महज 5.4 ओवर में ही टीम का स्कोर 82 रन पहुंच गया, जो पावरप्ले के लिहाज से बेहद विस्फोटक प्रदर्शन था. ट्रैविस हेड ने 21 गेंदों में 46 रन बनाए, जिसमें 6 चौके और 3 छक्के शामिल थे. उनका स्ट्राइक रेट 219.05 रहा, जो इस बात का प्रमाण है कि उन्होंने शुरुआत से ही गेंदबाज़ों पर हमला बोला. दूसरी ओर अभिषेक शर्मा ने भी कमाल की बल्लेबाज़ी की. उन्होंने 21 गेंदों में 48 रन ठोके, जिसमें 4 चौके और 4 छक्के शामिल थे. उनका स्ट्राइक रेट 228.57 रहा. इन दोनों की साझेदारी ने मैच का रुख पूरी तरह बदल दिया और कोलकाता को शुरुआत में ही बैकफुट पर धकेल दिया. हालांकि, तेज़ शुरुआत के बाद थोड़ी देर के लिए विकेट गिरने का सिलसिला शुरू हुआ. ईशान किशन 14 रन बनाकर आउट हो गए, जबकि अभिषेक शर्मा भी अर्धशतक से चूक गए. इसके बाद अनिकेत वर्मा भी ज्यादा देर टिक नहीं सके और सिर्फ 1 रन बनाकर चलते बने. लेकिन मिडिल ऑर्डर में हेनरिक क्लासेन ने पारी को बिखरने नहीं दिया. उन्होंने बेहद संयम और आक्रामकता के संतुलन के साथ बल्लेबाज़ी की. क्लासेन ने 35 गेंदों में 52 रन बनाए, जिसमें 4 चौके और 1 छक्का शामिल था. उनकी यह पारी टीम के लिए बेहद महत्वपूर्ण साबित हुई. क्लासेन को नितीश रेड्डी का अच्छा साथ मिला. रेड्डी ने 24 गेंदों में 39 रन बनाए और मिडिल ओवर्स में रनगति को बनाए रखा. दोनों ने मिलकर टीम को 200 के पार पहुंचाने की मजबूत नींव रखी. डेथ ओवर्स में हर्ष दुबे और शिवांग कुमार ने तेज़ी से रन जोड़कर टीम का स्कोर 226 तक पहुंचा दिया. हालांकि अंत में विकेट गिरते रहे, लेकिन रनगति पर कोई असर नहीं पड़ा. अगर कोलकाता की गेंदबाज़ी की बात करें, तो यह मैच उनके लिए निराशाजनक रहा. ब्लेसिंग मुजरबानी ने जरूर 4 विकेट लिए, लेकिन वह भी महंगे साबित हुए. उन्होंने 4 ओवर में 41 रन दिए.

> वैभव अरोड़ा ने 2 विकेट लिए, लेकिन उन्होंने 47 रन खर्च कर दिए. कार्तिक त्यागी ने 1 विकेट लिया, लेकिन 48 रन देकर वह भी काफी महंगे रहे. सुनील नरेन और वरुण चक्रवर्ती जैसे अनुभवी गेंदबाज़ भी इस मुकाबले में प्रभाव नहीं छोड़ सके. कोलकाता के गेंदबाज़ों की सबसे बड़ी कमजोरी यह रही कि वे किसी भी समय बल्लेबाज़ों पर दबाव नहीं बना सके. हर गेंदबाज़ के खिलाफ हैदराबाद के बल्लेबाज़ों ने खुलकर रन बनाए और फील्डिंग सेटअप को बेअसर कर दिया. 226 जैसे बड़े स्कोर के साथ हैदराबाद ने मैच पर अपनी पकड़ मजबूत कर ली है. अब कोलकाता के सामने 227 रन का लक्ष्य है, जो आसान नहीं होगा. उन्हें शुरुआत से ही आक्रामक खेल दिखाना होगा और बड़े साझेदारी बनानी होगी. कुल मिलाकर, यह पारी टी20 क्रिकेट में आक्रामक बल्लेबाज़ी का बेहतरीन उदाहरण रही, जहां हैदराबाद ने हर विभाग में अपना दबदबा दिखाया और कोलकाता को पूरी तरह बैकफुट पर ला दिया.

भारत सैफ अंडर-20 चैंपियनशिप के फाइनल में

माले (मालदीव). भारतीय टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए भूटान को 5-0 से हराकर सैफ अंडर 20 चैंपियनशिप के फाइनल में जगह बना ली है. जहां उसका मुकाबला बंगलादेश से होगा. नेशनल स्टेडियम में बुधवार रात खेले गये मुकाबले में मौजूदा चैंपियन टीम ने रफ़्तार, सटीकता और जबरदस्त फिनिशिंग से भरा एक शानदार प्रदर्शन किया. इस जीत के साथ ही भारतीय टीम का शुक्रवार को बंगलादेश के खिलाफ फाइनल मुक़ाबला तय हो गया, क्योंकि दूसरे सेमीफाइनल में बंगलादेश ने नेपाल को 1-0 से हराया था. मैच में रोहेन सिंह चापामयुम सबसे बेहतरीन खिलाड़ी बनकर उभरे. उन्होंने 56वें और 57वें मिनट में दो गोल किए और भारत के आक्रामक खेल में अहम भूमिका निभाई. बाकी गोल ओमांग डोडुम (4%), मो. अरबाश (44%), और सब्स्टीट्यूट मालेमंगम्बा थोकचोम (90 2%) ने किए.

फीफा रैंकिंग में फ्रांस नंबर वन पर पहुंचा

ज्यूरिख (स्विट्जरलैंड), 02 अप्रैल मार्च महीने के अंतरराष्ट्रीय मैचों में शानदार प्रदर्शन करे हुए फ्रांस लगभग आठ साल में पहली बार फीफा विश्व रैंकिंग में शीर्ष पर वापस आ गया है.

फीफा रैंकिंग की ताजा अपडेट के अनुसार ब्राजील और कोलंबिया पर दोस्ताना मैचों में जीत ने फ्रांस को स्पेन और अर्जेंटीना से ऊपर पहुंचा दिया. %लेस ब्लूज़% (फ्रांस की टीम) ने सितंबर 2018 के बाद पहली बार शीर्ष स्थान हासिल किया है. शीर्ष तीन टीमों के बीच अंकों का अंतर बहुत कम था, जिससे मुकाबला काफी कड़ा रहा. स्पेन, जो सितंबर 2025 से शीर्ष पर था, मिस्र के साथ गोल रहित ड्रॉ खेलने के बाद दूसरे स्थान पर खिसक गया, जबकि विश्व चैंपियन अर्जेंटीना तीसरे स्थान पर आ गया.

श्रीलंका के बॉलिंग कोच बने रयान वैन

कोलंबो, 02 अप्रैल क्रिकेट ने रयान वैन नीकर्क को दो साल के लिए श्रीलंका का नेशनल बॉलिंग कोच बनाया है. बोर्ड ने गुरुवार को इस फ़ैसले की घोषणा की.

वैन नीकर्क, जो पहले 2023 से 2026 तक नीदरलैंड्स की नेशनल टीम के बॉलिंग कोच और अंतरिम हेड कोच के तौर पर काम कर चुके हैं, उन्हें सभी नेशनल टीमों में फ़ास्ट बॉलिंग की देखरेख के लिए बनाया गया है. नीदरलैंड्स की टीम के साथ अपने समय के दौरान, उन्होंने टीम के डेवलपमेंट और तीन मेन्स वर्ल्ड कप में हिस्सेदारी की देखरेख की थी.

इस बीच, जॉर्डन ग्रेगरी को नेशनल फील्डिंग और स्पिन बॉलिंग कोच के तौर पर अपॉइंट किया गया.

वह पहले नीदरलैंड्स क्रिकेट के लिए फील्डिंग कंसल्टेंट के तौर पर काम कर चुके हैं. वह हाई परफॉर्मेंस सेंटर में सभी नेशनल टीमों में फील्डिंग और स्पिन बॉलिंग की देखरेख के लिए ज़िम्मेदार होंगे. उन दोनों का कार्यकाल 15 अप्रैल, 2026 से शुरू होने वाला है. क्रिकेट ने रयान वैन नीकर्क को दो साल के लिए श्रीलंका का नेशनल बॉलिंग कोच बनाया है. बोर्ड ने गुरुवार को इस फ़ैसले की घोषणा की. वैन नीकर्क, जो पहले 2023 से 2026 तक नीदरलैंड्स की नेशनल टीम के बॉलिंग कोच और

अंतरिम हेड कोच के तौर पर काम कर चुके हैं, उन्हें सभी नेशनल टीमों में फ़ास्ट बॉलिंग की देखरेख के लिए बनाया गया है. नीदरलैंड्स की टीम के साथ अपने समय के दौरान, उन्होंने टीम के डेवलपमेंट और तीन मेन्स वर्ल्ड कप में हिस्सेदारी की देखरेख की थी. इस बीच, जॉर्डन ग्रेगरी को नेशनल फील्डिंग और स्पिन बॉलिंग कोच के तौर पर अपॉइंट किया गया. वह पहले नीदरलैंड्स क्रिकेट के लिए फील्डिंग कंसल्टेंट के तौर पर काम कर चुके हैं. वह हाई परफॉर्मेंस सेंटर में सभी नेशनल टीमों में फील्डिंग और स्पिन बॉलिंग की देखरेख के लिए ज़िम्मेदार होंगे.

इंडियन प्रीमियर लीग 2026

जीत के आत्मविश्वास के साथ उतरेगी पंजाब, घरेलू मैदान पर पहली जीत की तलाश में चेन्नई

चेपॉक में पंजाब और सीएसके के बीच अहम मुकाबला

चेन्नई, 02 अप्रैल. एम. ए. चिदंबरम स्टेडियम में इंडियन प्रीमियर लीग 2026 का एक बेहद अहम मुकाबला गुरुवार को खेला जाएगा, जहां पंजाब किंग्स और चेन्नई सुपर किंग्स आमने-सामने होंगी. यह मुकाबला सिर्फ दो टीमों के बीच अंक तालिका की लड़ाई नहीं, बल्कि आत्मविश्वास और वापसी की जंग भी माना जा रहा है.

एक ओर पंजाब किंग्स अपने पहले मैच की जीत से उत्साहित होकर मैदान में उतरेगी, वहीं दूसरी ओर चेन्नई सुपर किंग्स शुरुआती हार की निराशा को पीछे छोड़ते हुए घरेलू मैदान पर नई शुरुआत करने की कोशिश करेगी. पंजाब किंग्स ने अपने पहले मुकाबले में शानदार प्रदर्शन करते हुए जीत दर्ज की थी. टीम की बल्लेबाजी और गेंदबाजी दोनों विभागों में संतुलन साफ नजर आया. यही संतुलन इस मैच में पंजाब की सबसे बड़ी ताकत माना जा रहा है. पिछले मुकाबले में टीम के बल्लेबाजों ने दबाव की स्थिति में भी संयम बनाए रखा और जीत तक पहुंचने में सफलता हासिल की. पंजाब के लिए सबसे बड़ी सकारात्मक बात कूपर कोनोली की शानदार फॉर्म रही. उन्होंने पिछले मैच में 44 गेंदों पर नाबाद 72 रन की बेहतरीन पारी खेली थी.

उनकी इस पारी में धैर्य, तकनीक और मैच को अंत तक लेकर जाने की समझ साफ दिखाई दी. कठिन परिस्थितियों में जिस तरह उन्होंने पारी को संभाला, उससे टीम का आत्मविश्वास काफी बढ़ा है. पंजाब की टीम उनसे एक बार फिर बड़ी पारी की उम्मीद करेगी. पारी की शुरुआत में प्रभसिमरन सिंह ने भी आक्रामक बल्लेबाजी करते हुए 24 गेंदों पर 37 रन बनाए थे.

उनकी तेज शुरुआत ने टीम को शुरुआती लय दिलाई थी. पावरप्ले में तेजी से रन बनाना किसी भी टी-20 मुकाबले में बेहद महत्वपूर्ण होता है और प्रभसिमरन ने यही भूमिका बखूबी निभाई. कप्तान श्रेयस अय्यर ने भी तेज 18 रन बनाकर टीम को स्थिरता दी थी. हालांकि यह पारी छोटी थी, लेकिन उनकी कप्तानी और बल्लेबाजी दोनों टीम के लिए महत्वपूर्ण साबित हुई.

> गेंदबाजी विभाग में पंजाब किंग्स काफी संतुलित नजर आई. विजयकुमार वैशाख ने अपने चार ओवरों में 34 रन देकर 3 विकेट लेकर विपक्षी टीम पर दबाव बनाया. उन्होंने सही समय पर विकेट लेकर मैच का रुख अपनी टीम की ओर मोड़ने में अहम भूमिका निभाई. उनके साथ युजवेंद्र चहल ने भी शानदार गेंदबाजी की. चहल ने 28 रन देकर 2 विकेट हासिल किए और बीच के ओवरों में रन गति को नियंत्रित रखा. मार्को जानसेन ने भी अनुशासित गेंदबाजी का प्रदर्शन किया.

दूसरी ओर चेन्नई सुपर किंग्स के लिए यह मुकाबला बेहद महत्वपूर्ण है. टीम को अपने पहले मैच में निराशाजनक हार का सामना करना पड़ा था. बल्लेबाजी क्रम उम्मीदों पर खरा नहीं उतर पाया और कोई भी बल्लेबाज बड़ी पारी खेलने में सफल नहीं हुआ. घरेलू मैदान पर खेलते हुए टीम अब वापसी के इरादे से उतरेगी.

सीएसके के लिए पिछले मैच में जेमी ओवरटन ने संघर्षपूर्ण बल्लेबाजी की थी. उन्होंने 36 गेंदों पर 43 रन बनाए और लगातार गिरते विकेटों के बीच पारी को संभालने की कोशिश की. हालांकि उन्हें दूसरे छोर से अपेक्षित सहयोग नहीं मिला. कार्तिक शर्मा ने 18 और सरफराज खान ने 17 रन बनाए, लेकिन ये पारियां मैच का रुख बदलने के लिए पर्याप्त नहीं थीं.